नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान

चर्चा में क्यों?

29 नवंबर, 2021 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के शताब्दी समारोह में 'शताब्दी स्तंभ' का अनावरण तथा डाक टिकट एवं शताब्दी स्मारिका का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस शताब्दी स्मारिका में प्राणि उद्यान की 100 वर्ष की उपलब्धियों का वर्णन है।
- इसके साथ ही उन्होंने 'चित्रों में चिड़ियाघर' नामक एक पुस्तक का भी विमोचन किया तथा वन्य जीव संरक्षण में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले पूर्व प्रशासकों एवं पूर्व निदेशकों को भी सम्मानित किया।
- इस अवसर पर शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वन्य जीव एवं पर्यावरण पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।
- मुख्यमंत्री ने प्राणि उद्यान के जीव-जंतुओं के अंगीकर्ताओं को भी सम्मानित किया। साथ ही बच्चों द्वारा सुझाए गए नाम के आधार पर 6 बाघों का नामकरण किया।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में वर्ष 1947 से 2017 तक 70 वर्षों में 2 प्राणि उद्यान ही बन पाए थे, जबकि विगत 5 वर्षों में एक प्राणि उद्यान गोरखपुर में स्थापित किया गया है।
- ज्ञातव्य है कि यह प्राणि उद्यान लखनऊ के मध्य में बसा है, जो प्रदेश के लोगों के लिये एक आकर्षण का केंद्र है। साथ ही, लखनऊ नगरवासियों के लिये यहाँ के पेड़-पौधे प्राकृतिक रूप से ऑक्सीजन के सबसे बड़े प्लांट के रूप में हैं। यहाँ पर दृष्टिबाधित लोगों के लिये एक गैलरी की स्थापना भी की गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nawab-wajid-ali-shah-zoological-park